IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, October 2022
Impact Factor: 6.252

सीधी जिले (म.प्र.) मे पर्यटन के विकास की संभावनएँ एक : भौगोलिक अध्ययन

Narendra Choudhary[1] and Dr. K. S. Netam[2]
Research Scholar, Department of Geography[1]
Professor, Department of Geography[1]
Sanjay Gandhi Smriti Government (Autonomous) PG College, Sidhi, MP, India

सारांश :–

भारत में एक उद्योग के रूप में पर्यटन का विकास स्वतंत्रता के बाद ही शुरू हुआ और अब हमारी अर्थव्यस्था में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है। पिछले कुछ वर्षो से पर्यटन की सुविधाओं के साथ–साथ यहां कारोबार भी लगातार बढ़ रहा है। विदेशों से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर (विन्ध्य) सीधी की पहचान अपने प्राकृतिक सौंदर्य सभ्यता के अवशेषों लोक –संस्कृति के विविध रंगों, धार्मिक स्थलों व वास्तुशिल्प के लिये है। प्रकृति प्रदत्त अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए देश के हृदय स्थल में स्थित सीधी को एक आदर्श पर्यटन क्षेत्र होना चाहिए था, किन्तु कुछ कारणों से ऐसा नही हो सका। विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार पर्यटक वे लोग है जो "यात्रा करके अपने सामान्य वातावरण से बाहर के स्थानों में रहने जाते है। यह दौरा ज्यादा से ज्यादा एक साल के मंनोरंजन, व्यापार, अन्य उद्देश्यों से किया जाता है, यह उस स्थान पर किसी खास क्रिया से सम्बसंन्धित नही होता है।" पर्यटन व्यवसाय दुनिया भर में एक प्रकार की आरामपूर्ण गतिविधि के रूप में विकसित हो रही हैं जिसका उद्देश्य लोगों को सुविधाएँ प्रदान करने के साथ.–साथ धन अर्जित करना व लोगों को रोजगार प्रदान भी करना भी हो गया है। सीधी एक रियासत है जिसके बारे में यहां के पर्यटन स्थल व मनमोहक जगलों, नदियाँ, तालाबों व प्राचीन मंदिरों तथा यहां की इमारतों व वन्य प्राणियों को देखकर आसानी से बताया जा सकता है।

बीज शब्दः पर्यटन व्यवसाय, आकर्षण, जीविकोपार्जन, दर्शनीय आदि प्रमुख शब्दों का प्रयोग किया गया है।

संदर्भ ग्रंन्थ सूची

[1]. Majit Husain - Human Geography 3/2010
[2]. A.K Bhatia - Tourism Development Principle & Practices
[3]. Savindra Singh - Environmental Geography (Prayag Pustak Bhawan Allahabad)
[4]. Devashish Das Gupta - Tourism Marketing

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 1, October 2022
Impact Factor: 6.252

[5]. Roy. A. Cook - Tourism The Business of Travel (Pearson publication)

[6]. John R. Walkar - Tourism Concepts and Practices (Pearson publication)

[7]. K.L. Batra - Problems and Prospects Of Tourism (Print well publisher Jaipur 1990)

[8]. Truman A Hartshorn - Economic Geography

[9]. Savindra Singh - Oceanography

[10]. Pran Nath Seth - An Introduction to travel and tourism

[11]. Albert-Pinole, I. (1993) 'Tourism in Spain'. In Pompl, W. and Lavery, P. (eds) (1993):242–261.

[12]. Alipour, H. (1996) 'Tourism development within planning paradigms: the case of Turkey', Tourism Management, Vol. 17 No. 5:367–377.

[13]. Ap, J. (1992) 'Residents' perceptions on tourism impacts', Annals of Tourism Research, Vol. 19 No. 4:665–690. Archer, B.H. (1989) 'Tourism and island economies: impact analyses'. In Cooper C.P. (ed.) (1989):125–134.

[14]. Ashworth, G.J. (1991) 'Products, places and promotion: destination images in the analysis of the tourism industry'. In Sinclair, M.T. and Stabler, M.J. (eds) (1991):121–142.

[15]. Ashworth, G.J. and Dietvorst, A.G.J. (eds) (1995) Tourism and Spatial Transformations, Wallingford: CAB International.